RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अक्टूबर
16
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत-मंगोलिया ने संबंधों को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर / India-Mongolia Sign MoUs to Boost Ties

संदर्भ:

भारत और मंगोलिया ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** और मंगोलियाई राष्ट्रपति **खुरेलसुख उखना** के बीच द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद **समझौता ज्ञापनों (MoUs)** पर हस्ताक्षर किए।

भारत-मंगोलिया संबंध: अक्टूबर 2025 की यात्रा के प्रमुख समझौते:

1. डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन: भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) और मंगोलिया के डिजिटल डेवलपमेंट एंड कम्युनिकेशंस मंत्रालय (MoDDIC) के बीच डिजिटल समाधानों में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर।

2. ऊर्जा और खनिज संसाधन:

- भूविज्ञान और खनिज संसाधन, विशेषकर कॉपर जैसे क्रिटिकल मिनरल्स में सहयोग हेतु समझौता।
- दोनों देशों ने मंगोल ऑयल रिफाइनरी परियोजना के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई, जो भारत के $1.7 अरब की लाइन ऑफ क्रेडिट से चल रही है। यह रिफाइनरी 2028 तक चालू होने की उम्मीद है।
- मंगोलिया ने भारतीय कंपनियों को देश में तेल और गैस अन्वेषण के लिए आमंत्रित किया।

3. रक्षा और सुरक्षा सहयोग:

- भारत, मंगोलिया के सीमा सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देगा।
- उलानबातर में एक स्थायी रक्षा अताशे नियुक्त किया जाएगा।
- आव्रजन सहयोग पर MoU पर हस्ताक्षर किए गए।
- दोनों देश नियमित संयुक्त सैन्य अभ्यास (जैसे "नोमैडिक एलिफेंट") आयोजित करेंगे। इसका 17वां संस्करण जून 2025 में उलानबातर में हुआ।

4. जन-से-जन और सांस्कृतिक संबंध:

- मंगोलियाई नागरिकों के लिए नि:शुल्क ई-वीज़ा की सुविधा बढ़ाई गई।
- सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम पर MoU पर हस्ताक्षर।
- लद्दाख स्वायत्त हिल डेवलपमेंट काउंसिल और मंगोलिया के अर्कांगाई प्रांत के बीच सांस्कृतिक सहयोग हेतु समझौता।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) और मंगोलिया के संस्कृति मंत्रालय के बीच बोगद खान पैलेस के नवीनीकरण के लिए सहयोग समझौता।
- दोनों देशों ने कूटनीतिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी किया।

5. अन्य प्रमुख क्षेत्र:

- आपदा, प्राकृतिक आपत्ति या महामारी के दौरान मानवीय सहायता पर MoU पर हस्ताक्षर।
- सहकारी संस्थाओं के प्रोत्साहन पर MoU का आदान-प्रदान।
- क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स (QIPs) पर समझौता – प्रत्येक परियोजना की लागत लगभग $50,000 होगी।
- मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ योगा (MDNIY) और मंगोलियन योगा फेडरेशन (MYF) के बीच सहयोग समझौता।

भारत-मंगोलिया संबंध: ऐतिहासिक और रणनीतिक साझेदारी:

1. राजनीतिक सहयोग:

- **राजनयिक संबंध** 24 दिसंबर 1955 को स्थापित हुए।
- **2025** में दोनों देशों के **कूटनीतिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ** मनाई जा रही है।
- भारत ने मंगोलिया को **संयुक्त राष्ट्र (UN)** और **गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM)** की सदस्यता प्राप्त करने में समर्थन दिया।
- मंगोलिया लगातार भारत के **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)** में **स्थायी सदस्यता** के दावे का समर्थन करता रहा है।

2. सांस्कृतिक सहयोग:

- **भारत-मंगोलिया सांस्कृतिक समझौता (1961)** दोनों देशों के बीच **सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (CEP)** को संचालित करता है।
- **बौद्ध विरासत** दोनों देशों के संबंधों की नींव है – **नालंदा विश्वविद्यालय** और **गंदन मठ** के बीच संबंध इस निरंतर सांस्कृतिक सहयोग का प्रतीक हैं।
- **इंडिया-मंगोलिया फ्रेंडशिप स्कूल** की स्थापना और **अंतरराष्ट्रीय बुद्ध पूर्णिमा (Vesak) दिवस** का उलानबातर में आयोजन, दोनों देशों के **जन-से-जन संबंधों** को मजबूत करते हैं।

3. रक्षा सहयोग:

- **संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट'** हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जो **काउंटर-इंसर्जेंसी** और **शांतिरक्षा अभियानों** पर केंद्रित होता है।
- भारत ने मंगोलिया के **सीमा सुरक्षा बलों की क्षमता-वृद्धि कार्यक्रम** की घोषणा की है।
- **भारतीय दूतावास, उलानबातर** में **रक्षा अताशे की नियुक्ति** को मंजूरी दी गई है – यह दोनों देशों के बीच **सैन्य सहयोग को गहरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम** है।

प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान / Prime Minister Gati Shakti National Master Plan

संदर्भ:

प्रधानमंत्री **गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान** ने अपनी शुरुआत के चार वर्ष पूरे कर लिए हैं। इसे वर्ष **2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** द्वारा लॉन्च किया गया था। इस पहल का उद्देश्य विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना है, ताकि इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए निर्बाध मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके।

प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान:

- यह योजना **अक्टूबर 2021** में शुरू की गई थी।
- इसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 100 लाख करोड़ रुपये के निवेश से देश के बुनियादी ढांचे का समग्र विकास करना है।
- योजना का फोकस सात प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों पर है — रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और लॉजिस्टिक्स — जिन्हें ऊर्जा, आईटी, जल और सामाजिक अवसंरचना द्वारा समर्थन दिया जाता है।

उद्देश्य:

- एकीकृत अवसंरचना योजना के माध्यम से लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना।
- यह एक डिजिटल रीढ़ (digital backbone) के रूप में कार्य करती है, जो मैक्रो स्तर की योजना और माइक्रो स्तर के क्रियान्वयन को जोड़ती है।
- यह भारतमाला, सागरमाला, उड़ान जैसी मौजूदा योजनाओं को जोड़ते हुए आर्थिक जोन और औद्योगिक हब को जोड़ने का कार्य करती है।

मुख्य विशेषताएं:

- **जियोस्पेशियल डेटा प्लेटफॉर्म:** 200 से अधिक जियोस्पेशियल डेटा लेयर को एक केंद्रीकृत पोर्टल पर एकीकृत करता है, जिससे योजनाओं और परिसंपत्तियों का समग्र दृश्य प्राप्त होता है।
- **आर्थिक हब:** योजना में **टेक्सटाइल क्लस्टर, फार्मा हब, डिफेंस कॉरिडोर** और **कृषि क्षेत्र** जैसे उत्पादक क्षेत्रों को सशक्त करने का लक्ष्य है।
- **तकनीक-आधारित योजना:** BISAG-N द्वारा विकसित ISRO सैटेलाइट इमेजरी और उन्नत स्थानिक उपकरणों का उपयोग कर डेटा-आधारित प्रबंधन को बढ़ावा दिया गया।

मुख्य लक्ष्य:

- **विमानन अवसंरचना:** 200 नए हवाई अड्डे, हेलीपोर्ट और वाटर एयरोड्रोम स्थापित करने की योजना।
- **नवीकरणीय ऊर्जा:** FY25 तक **225 GW** नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और **17,000 किमी गैस पाइपलाइन** पूरी करने का लक्ष्य।
- **विद्युत ग्रिड विस्तार:** 4,54,200 सर्किट किमी तक पावर ग्रिड का विस्तार।
- **राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क:** 2,00,000 किमी तक राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार।
- **रेल कार्गो क्षमता:** FY25 तक रेल कार्गो क्षमता को **1,600 मिलियन टन** तक बढ़ाने का लक्ष्य।

मुख्य उपलब्धियां:

- **एकीकृत सरकारी मंच:** 44 केंद्रीय मंत्रालयों और 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाया गया है, जिसमें 1,600 से अधिक डेटा लेयर सम्मिलित हैं।
- **परियोजना मूल्यांकन:** नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (NPG) ने 200 से अधिक प्रमुख परियोजनाओं का **मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन** और **लास्ट-माइल कनेक्टिविटी** के सिद्धांतों के तहत मूल्यांकन किया है।
- **सामाजिक क्षेत्र विकास:** इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब स्कूल, अस्पताल, आंगनवाड़ी जैसी सामाजिक अवसंरचना के लिए डेटा-आधारित योजना बनाई जा रही है।
- **व्यापार और लॉजिस्टिक्स सुधार:** राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022 के साथ संरेखण ने भारत की वर्ल्ड बैंक लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रैंकिंग को 2018 में 44वें से 2023 में 38वें स्थान पर पहुंचाने में मदद की।

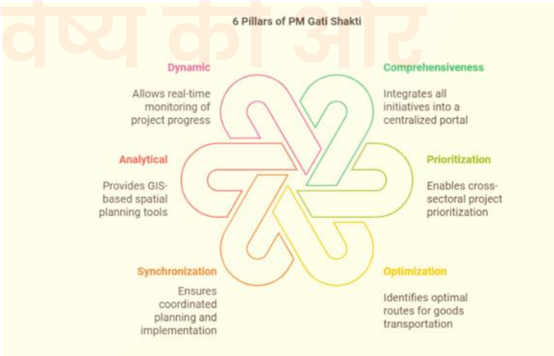

निष्कर्ष: प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना भारत की अर्थव्यवस्था को एकीकृत अवसंरचना ढांचे से जोड़ने का प्रयास है। यह मल्टीमॉडल परिवहन, डेटा-संचालित योजना और समन्वित विकास के माध्यम से भारत को लॉजिस्टिक दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

गूगल भारत में 15 अरब डॉलर का एआई डेटा हब बनाएगा / Google to build a $15bn AI data hub in India

संदर्भ:

गूगल ने घोषणा की है कि वह वर्ष 2026 से 2030 के बीच 15 अरब डॉलर का निवेश करेगा ताकि अमेरिका के बाहर अपना सबसे बड़ा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब भारत में स्थापित कर सके। यह हब विशाखापट्नम, आंध्र प्रदेश में बनेगा। परियोजना के तहत 1 गीगावाट डेटा सेंटर कैंपस का निर्माण किया जाएगा, जिसे अदानीकनेक्स (AdaniConneX) और एयरटेल के साथ साझेदारी में विकसित किया जाएगा। यह निवेश भारत की AI और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

गूगल के निवेश से जुड़ी मुख्य जानकारियाँ:

साझेदारी:

- गूगल, AdaniConneX के साथ मिलकर डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहा है और एयरटेल के साथ कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।
- **अदाणी समूह** नई **स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और भंडारण प्रणालियों** में सह-निवेश करेगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर: इस हब में गीगावॉट-स्तर का डेटा सेंटर, विजाग (विशाखापत्तनम) में कई केबलों वाला अंतरराष्ट्रीय सबसी गेटवे, और नई हरित ऊर्जा अवसंरचना शामिल होगी।

उद्देश्य:

- इस सुविधा का निर्माण भारत में बढ़ती डिजिटल सेवाओं और एआई अनुप्रयोगों की मांग को पूरा करने के लिए किया जा रहा है।
- यह केंद्र एआई-संचालित कार्यभार को संभालने में मदद करेगा।

प्रभाव:

- परियोजना से **1.8 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार** सृजित होने की संभावना है।
- साथ ही, यह निवेश भारत में **घरेलू और अंतरराष्ट्रीय टेक निवेश** को भी आकर्षित करेगा।

सरकारी समर्थन:

- यह निवेश भारत सरकार के **"विकसित भारत"** विज़न के अनुरूप है।
- इसे केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों और **आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री** का समर्थन प्राप्त है।

कनेक्टिविटी:

- नया सबसी केबल गेटवे विशाखापत्तनम को एक प्रमुख कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करेगा।
- यह मुंबई और चेन्नई में मौजूद मौजूदा केबल लैंडिंग को पूरक करेगा, जिससे नेटवर्क की क्षमता और लचीलापन बढ़ेगा।

भारत में एआई-संचालित डेटा सेंटर: डेटा सेंटर विशेष सुविधाएँ हैं, जहाँ सर्वर, स्टोरेज सिस्टम और नेटवर्क उपकरण रखे जाते हैं ताकि डिजिटल डेटा को संग्रहित, संसाधित और प्रबंधित किया जा सके। ये क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), ई-गवर्नेंस और डिजिटल सेवाओं की रीढ़ माने जाते हैं।

एआई-पावर्ड डेटा सेंटर की आवश्यकता:

- इन केंद्रों को हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (HPC) की जरूरत होती है, जिसमें GPU क्लस्टर शामिल होते हैं।
- रीयल-टाइम निर्णय लेने के लिए कम विलंबता (Low Latency) वाली डेटा एक्सेस आवश्यक है।
- बड़े भाषा मॉडल (LLMs) और जनरेटिव एआई सिस्टम्स को प्रशिक्षित करने के लिए वृहद समानांतर प्रसंस्करण (Massive Parallel Processing) की क्षमता चाहिए।

भारत की स्थिति:

- भारत का डेटा सेंटर बाजार 2027 तक 100 अरब डॉलर के निवेश को आकर्षित करने की संभावना रखता है।
- यह क्षेत्र 24.68% की वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ रहा है।
- इस वृद्धि का मुख्य कारण एआई अपनाने (AI Adoption) और डिजिटल परिवर्तन को माना जा रहा है।

सरकारी पहल और नीतिगत समर्थन:

इंडिया एआई मिशन (2024):

- **उद्देश्य:** देश में सार्वजनिक AI कंप्यूट इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना, जिसमें 10,000 से अधिक GPU शामिल होंगे।
- **फोकस:**
  - **स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल्स** का विकास।
  - **एआई स्टार्टअप्स को फंडिंग** – विचार (Idea) से लेकर व्यावसायीकरण तक।
- **सरकार का लक्ष्य:** 500 डेटा लैब्स स्थापित करना ताकि एआई अनुसंधान और मॉडल विकास को प्रोत्साहन मिले।

नेशनल प्रोग्राम ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (MeitY):

- एआई नैतिकता और गवर्नेंस को प्रोत्साहित करता है।
- एआई स्किलिंग और रिसर्च पर केंद्रित है।
- नेशनल सेंटर फॉर एआई की स्थापना के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार को गति देने का उद्देश्य रखता है।

भारत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के लिए निर्वाचित / India Elected to UN Human Rights Council

संदर्भ:

भारत को **मानवाधिकार परिषद** में **सातवीं बार निर्विरोध** चुना गया है। यह सदस्यता **तीन वर्षीय कार्यकाल (2026–2028)** के लिए अगले वर्ष से शुरू होगी।

भारत का मानवाधिकार परिषद (UNHRC) में चुनाव:

- **सातवाँ कार्यकाल:** 2006 में गठन के बाद यह भारत का **सातवाँ कार्यकाल** है।
- **कार्यकाल की अवधि:** भारत की तीन साल की अवधि 1 जनवरी 2026 से प्रारंभ होगी।
- **पूर्व कार्यकाल:** UNHRC नियमों के अनुसार कोई भी देश लगातार **दो कार्यकाल से अधिक नहीं** रह सकता। भारत ने 2022-2024 का कार्यकाल पूरा किया और 2025 में एक वर्ष का अनिवार्य अंतराल लेने के बाद पुन: चुने जाने के लिए योग्य था।
- **प्रचुर समर्थन:** चुनाव में भारत को **188 में से 177 वोट** प्राप्त हुए।
- **भारत के स्थायी प्रतिनिधि का बयान:** भारत के UN स्थायी प्रतिनिधि **परवथनेनी हरीश** ने कहा कि यह चुनाव भारत की "मानवाधिकार और मौलिक स्वतंत्राओं के प्रति अडिग प्रतिबद्धता" को दर्शाता है।
- **अन्य निर्वाचित सदस्य:** भारत के साथ **13 अन्य देश** भी चुने गए हैं, जिनमें अंगोला, चिली, इक्वाडोर, मिस्र, एस्टोनिया, इराक, इटली, मॉरीशस, पाकिस्तान, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम और वियतनाम शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC): UNHRC एक अंतरसरकारी संस्था है जो वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए काम करती है। इसे 2006 में **पूर्व UN मानवाधिकार आयोग** की जगह स्थापित किया गया था। परिषद UN सदस्य देशों में मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच करती है और सभी विषयगत मानवाधिकार मुद्दों पर चर्चा करती है।

- **संरचना और सदस्यता:**
  - मुख्यालय: जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड
  - कुल सदस्य: 47 देश
  - सदस्यता: **संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा तीन साल के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं**, लगातार दो कार्यकालों की सीमा होती है।
  - क्षेत्रीय वितरण: अफ्रीका – 13, एशिया-प्रशांत – 13, पूर्वी यूरोप – 6, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन – 8, पश्चिमी यूरोप और अन्य – 7
  - सत्र: साल में तीन नियमित सत्र और आवश्यकतानुसार विशेष सत्र भी आयोजित किए जाते हैं।

UNHRC के प्रमुख कार्य:

- **Universal Periodic Review (UPR):** सभी 193 UN सदस्य देशों के मानवाधिकार रिकॉर्ड का हर चार साल में मूल्यांकन।
- **Special Procedures:** स्वतंत्र विशेषज्ञों (Special Rapporteurs) की नियुक्ति करना जो विशिष्ट मानवाधिकार मुद्दों या देशों की परिस्थितियों की निगरानी और रिपोर्टिंग करें।
- **Resolutions & Recommendations:** मानवाधिकार उल्लंघनों को संबोधित करने वाले प्रस्ताव अपनाना और सदस्य देशों को सिफारिशें देना।
- **Advisory Committee:** परिषद का "थिंक टैंक," जो थीमेटिक मानवाधिकार मुद्दों पर विशेषज्ञ सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- **Fact-Finding Missions:** गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच के लिए आयोगों की स्थापना।

UNHRC का ब्यूरो और नेतृत्व:

- **Bureau & Leadership:** मानवाधिकार परिषद का संचालन एक रोटेटिंग ब्यूरो द्वारा किया जाता है।
- **क्षेत्रीय समूहों:** इसमें एक अध्यक्ष और चार उपाध्यक्ष शामिल हैं, जो पांच UN क्षेत्रीय समूहों में से प्रत्येक का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **Presidency:** अध्यक्ष परिषद के सत्रों की देखरेख करता है और कूटनीतिक मामलों में इसका प्रतिनिधित्व करता है।
- **कार्य अवधि:** ब्यूरो के प्रत्येक सदस्य की कार्य अवधि एक वर्ष होती है।

मिशन दृष्टि / Mission Drishti

संदर्भ:

अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप **GalaxEye** ने घोषणा की है कि वह **Mission Drishti** लॉन्च करेगा, जो दुनिया का पहला **मल्टी-सेंसर अर्थ ऑब्ज़र्वेशन (EO) सैटेलाइट** होगा। इसे **2026 की पहली तिमाही** में अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

मिशन दृष्टि / Mission Drishti: यह एक अग्रणी सैटेलाइट मिशन है जो एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर कई सेंसर तकनीकों को जोड़ता है, जिससे मौसम या दिन के समय की परवाह किए बिना व्यापक अर्थ ऑब्ज़र्वेशन क्षमता संभव होती है।

तकनीकी निर्देश:

- **Weight:** 160 किग्रा – भारत का सबसे बड़ा निजी तौर पर निर्मित सैटेलाइट
- **Resolution:** 1.5 मीटर – भारत में विकसित उच्चतम रिज़ॉल्यूशन सेंसर
- **Payloads:** सिंथेटिक एपर्चर रडार (SAR) और उच्च-रिज़ॉल्यूशन ऑप्टिकल सेंसर
- **Capability:** सभी मौसम और दिन-रात अर्थ ऑब्ज़र्वेशन

- **Key Applications:**
  - सीमा निगरानी और रक्षा संचालन
  - आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया
  - अवसंरचना और यूटिलिटी निगरानी
  - कृषि और फसल आकलन
  - वित्तीय और बीमा मूल्यांकन
- **नक्षत्र योजना:** GalaxEye अगले चार वर्षों में 8-10 सैटेलाइट लॉन्च कर पूर्ण कॉन्स्टेलेशन स्थापित करने की योजना बना रहा है, जो निरंतर वैश्विक कवरेज और उन्नत भू-स्थानिक विश्लेषण सुनिश्चित करेगा।
- **परीक्षण और तत्परता:** Drishti सैटेलाइट ने कठोर तापमान परिस्थितियों में व्यापक संरचनात्मक परीक्षणों से अपनी क्षमता साबित की है।

कॉमनवेल्थ गेम्स / Commonwealth

संदर्भ:

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की कार्यकारी समिति ने **2030 कॉमनवेल्थ गेम्स** के लिए **अहमदाबाद, भारत** को मेज़बान शहर के रूप में सुझाया है। हालांकि यह एक महत्वपूर्ण कदम है, अंतिम स्वीकृति **संपूर्ण कॉमनवेल्थ स्पोर्ट सदस्यता द्वारा 26 नवंबर 2025** को ग्लासगो में होने वाली **जनरल असेंबली** में दी जानी है।

कॉमनवेल्थ गेम्स:

- **परिचय:** यह एक चौथाई-दिन (चार साल में एक बार) आयोजित होने वाला बहु-खेल आयोजन है, जो राष्ट्रमंडल के देशों के एथलीटों को विभिन्न प्रमुख खेलों में प्रतिस्पर्धा के लिए एकत्र करता है। इसे अक्सर "फ्रेंडली गेम्स" कहा जाता है, क्योंकि यह खेल भावना और सद्भावना को बढ़ावा देता है।

इतिहास और विकास:

- **1891:** ब्रिटिश साम्राज्य को एकजुट करने वाले खेल प्रतियोगिता की अवधारणा प्रस्तावित की गई।
- **ब्रिटिश एम्पायर गेम्स (1930–1950):** पहला आयोजन 1930 में हैमिल्टन, कनाडा में हुआ, जिसमें 11 देशों के 400 एथलीटों ने भाग लिया।
- **ब्रिटिश एम्पायर और कॉमनवेल्थ गेम्स (1954–1966):** सदस्य देशों के बदलते संबंधों को दर्शाने के लिए नाम बदल गया।
- **ब्रिटिश कॉमनवेल्थ गेम्स (1970–1974):** "एम्पायर" शब्द को हटा दिया गया और 1970 में पहली बार मीट्रिक इकाइयों का प्रयोग हुआ।
- **कॉमनवेल्थ गेम्स (1978–वर्तमान):** 1978 में वर्तमान नाम अपनाया गया।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात
Baaten Bazar Ki

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

BBK
Baaten Bazaar ki

EMI
AVAILABLE

+ **(FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)**

FREE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR